Besides, the methods °f smuggling enumerated above, gold is also found concealed on person of the passen-ger: , i 'ide baggage and the cars.

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, तस्करी का यह सोना जहां से आता है वहां उस की जो कीमत है और भारत में जो कीमत है उस में क्या अन्तर है यह माननीय मंत्री जी बताने की कृपा करें कि और साथ ही क्या मंत्री जी बतायेंगे कि 1977 से लेकर 1979 के बीच में यह अन्तर कितना बढ़ा है और क्या वह सही है कि 1979 तक हमारी स्वर्ण निधि प्रायः समाप्त हो गयी थी। तो 1980 के मुकाबले 1985 में क्या स्थिति है और हमारी स्वर्ण निधि का क्या हाल है ?

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मान्यवर, मेरे पास 1977 और 1979 के आंकड़े नहीं हैं, लेकिन 1983 से 1985 तक के हैं। हाल के वर्षों में उस में बम्बई में 10 ग्राम की औसत कीमत अगर 1786 रही है 1983 में तो औसत मुनाफा 10 ग्राम पर 161 रुपय के करीब होगा और 1984 में बम्बई में 10 ग्राम की औसत कीमत अगर 1905 रुपय रही हो , पैसे के दशमलव को मैं छोड़ रहा हूं तो औसत मुनाफा 201 रुपये का रहा और 1985 में अक्तूबर तक 2015 का औसत भाव रहा बम्बई में तो औसत मुनाफा 275 रुपये का होगा।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं मिला। मैं साफ तौर पर यह जानना चाहूंगा कि 1977 और 1979 के बीच में कितना अंतर भाव में आया ?

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : 1977 और 1979 का अन्तर तो पूरा भारतवर्ष जानता है कि उस समय सोने का क्या हुआ।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : हमारे तटवर्ती क्षेत्रों में और सीमाओं पर कुछ ऐसे वलनरेबिल प्वाइंट्स हैं जहां से तस्करी

1325 RS—2

का सोना आता है। तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसे देशों से बाइलेटरल बात कर के, आपसी समझौता कर के या आपसी बात चीत कर के कुछ ऐसा रास्ता निकालने का प्रयास सरकार कर रही है जिस से तस्करी को दोनों प्वाइंट्स पर रोका जा सके ?

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : वलनरेबिल प्वाइंट्स की जो जानकारी माननीय सदस्य को है वह मुझे बहुत खुशी होगी, कि वे हमको भी बता दें। जहां तक निकटवर्ती देशों का सवाल है, हमारी जब उन से वार्ता होती है, तो इस तरह की समस्याओं पर हम विचारों का आदान प्रदान करते हैं।

SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Sir. I would like to ask the hon. Minister why, despite smuggling of gold from other countries into this country, the price of gold is still going up. What is the reason for that?

MR. CHAIRMAN; What i_s the reason for the price of gold going up?

SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH; It is not that despite smuggling the price i_s going up. Because of the price going up there is smuggling.

MR. CHAIRMAN: Shrimati Pahadia would you ask any question?

SHRIMATI SHANTI PAHADIA: No.

Bank Robberies

*130. SHRI RAMCHANDRA BHA"ftADWAJ:t
DR. H. P. SHARMA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state the details of bank

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Ramchandra Bharadwaj.

robberies pertaining to nationalised banks during the past three months indicating the number of persons apprehended and brought to book in connection therewith?

THE; MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): A statement is laid on the Table of the House.

Statement

The details of the bank robberies/ dacoities that occurred in the nationalised banks (and including State Bank of India and its subsidiaries), during the period 1-8-1985 to 31-10-1985 indicating the amount involved in each case and the number of persons arrested, as reported by R.B.I, is given in the Annexure.

Statement

Details of Bank robberies I dacoities that occurred in public sector tanks in different parts of the countiy dnring the period 1-8-85 *to* 31-10-85, *the amount involved in each case and persons arrested*

Sl. No,	Name of the b. nk & branch	Date of occurrence	Amount involved (Rs. in lakhs)	No. of persons arrested
1	Bank of India, Chittranjan Park, New Delhi	21-8-85	4·19	Nil
2	Punjab National Bank, Argora Colony Ranchi, Bihar .	3-9-85	5·06	Nil
3	Indian Ove seas Bank, Juhu, Bombay	6.9.85	1·23	Nil
4	State Bank of India, Banasuria Village, West Bengal	10-9-85	0·45 + Gold ornaments worth Rs. 0.64 lakhs	Nil
5	State Bank of Patiala, Sector 10, Home Science College, Chandigarh.	11-9-85	0·11	Nil
6	Bank of India, Bagramod Dunduwa, Hazaribagh, Bihar. .	25-9 85	0·80	Nil
7	State Bank of India, Ma nja Tin Ali Karbi Anglong Assam	27-9-85	0-27 + 1 SBB GUN Costing Rs. 1814/10 cartridges Rs. 250/	Nil
8	Union Bank of India, Itki Br., Bihar	30-9-85	0·45	Nil
9	Punjab National Bank, Pawapur., Dt. Nalanda Bihar .	3-10-85	0·44	Nil
10	Indian Bank, Safdarjang Enclave, New Delhi. . .	4-10-85	2·88	Nil
11	State Bank of India, Chincholi Agricultural Development Br. Bangalore	7-10-85	0·03	Nil
12	United Commercial Bank, Neemuch, M.P. . . .	10-10-85	1·70	Nil
13	United Bank of India, Moradabad, Bihar	11-10-85	1·25	Nil

Sl. No.	Name of the bank & Branch	Date of occurrence	Amount involved (Rs. in lakhs)	No. persons arrested
14	State Bank of Patiala, Bangowani, Kunjer, Distt. Gurdaspur, Punjab.	15-10-85	0.10	Nil
15	Allahabad Bank Bagbazar, Calcutta, West Bengal	17.10.85	0.34	Nil
16	United Commercial Bank, Arya Nagar, Kanpur, U.P.	26-10-85	3.13	Nil
17	Canara Bank, Nattassery, Kottayam Dt. Kerala.	26-10-85	0·64	1
18	United Commercial Bank, Patratu, Hazaribagh, Bihar	31-10-85	0·72	Nil

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, यह बैंक डकैतियों की समस्या बहुत पुरानी पड़ चुकी है और लगता है कि इसका पुनः नवीकरण हो रहा है। वर्षों से यह सवाल मैं इस सदन में उठा रहा हूं और बार-बार गृह मंत्रालय से आश्वासन मिलता रहा कि बैंक डकैतियां बन्द हो जायेंगी और यह उपाय इसके लिये किये जायेंगे। मुझे दुख है कि यह डकैतियां आज तक बंद नहीं हुई और शायद हो भी नहीं। उसके कितने ही कारण हैं। एक मिनट मैं समय चाहूंगा, यह कहने के लिये कि सायरन लगाये गये हैं, बैंकों में। वह कोई नहीं बजाता है, लेकिन अपने आप दो मिनट तक वह बजता रहता है। वह कोई नहीं बजाता है। अपने आप दो मिनट तक बजता रहता है **(व्यावधान)** इसको बन्द करने के लिये बैंक मैनेजर की जरूरत पड़ती है, उसको बजाने के लिये नहीं। यह जैसे शेर आया, शेर आया, वाली बात है। लोग इक्कट्ठे हो जाते हैं, फिर वापिस चले जाते हैं। ऐसा न हो कि जिस दिन डाकू आ जायें, उस दिन यह मशीन बजे ही नहीं। दूसरी बात मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि टेलीफोन के कनेक्शन का जहां तक सवाल है, बैंक तो आप दिन-रात खोलते चले जा रहे हैं और टेलीफोन की सुविधा उनको देते नहीं हैं। मैं जानता हूं कि इस दिल्ली नगर के अन्दर ऐसी बैंक ब्रांचेज हैं, जिनके पास कोई टेलीफोन नहीं है। ऐसी कोई समस्या आ जाये, तो वे क्या करेंगे ? किसको कहेंगे ? वैसे तो टेलीफोन पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता, मगर फिर भी लोग जानते हैं कि इनके पास टेलीफोन हैं, यह पुलिस को खबर कर सकते हैं। इसके लिये मैं कनाट-प्लेस बैंक की एक घटना, मैं आपको बताना चाहता हूं। आप तो कहेंगे कि दो मिनट समाप्त हो गये, लेकिन मेरा निवेदन यह है कि बैंक में टेलीफोन कनेक्शन का दिया जाना बहुत जरूरी है। मैं एक बैंक का नाम आपको बतला सकता हूं कि जिनका 8 महीने से गन लाइसेंस के लिये केस पेंडिंग है आज से चार दिन पहले वहां पुलिस वाले आये थे यह पूछने के लिये किस साहब आपको हम कैसे लाइसेंस दें, जिसको इंक्वायरी कहते हैं, जांच कहते हैं, वह करने के लिये आये थे। इस हिसाब से यदि हमारे गृह विभाग और वित्त विभाग का कोआर्डिनेशन चलता रहेगा तो मैं समझता हूं कि इससे डकैतियां चलती रहेंगी। इसलिये इन सब मामलों को जल्दी से जल्दी पूरा करके सुरक्षा की पूरी व्यवस्था करनी चाहिये।

MR, CHAIRMAN: You have exhausted the time for both the SU] mentaries. I will not allow you another supplementary.

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : इस भूमिका के साथ मैं जानना चाहता हूं कि आज तक बैंकों में जो डकैतियां हुई हैं, उनकी कुछ रिकवरी भी हुई है या नहीं ?

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Otherwise, he won't answer if you go on standing.

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मान्यवर, जहां तक आपने कहा कि बैंकों की शाखायें खोलते चले जा रहे हैं, जबकि यह स्थिति आ रही है कि तो यह तो हम लोगों को दाद दीजिए कि हम खतरा मोल लेकर भी लोगों की सेवा कर रहे हैं। जहां तक तालमेल की बात है हम लोगों की गृह मंत्रालय के साथ बैठक हुई थी। उसमें यह तय पाया गया कि जहां वल्नरेबल प्वाइन्ट्स हैं वहां पर हम सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ करें, बैंकों के गार्ड बढ़ावें लेकिन जहां तक सुरक्षा का सवाल है, पूरे देश में सुरक्षा के वातावरण में ही बैंकों की सुरक्षा भी आ जाती है। हर आर्गनाइजेशन के लिए अलग से सुरक्षा व्यवस्था करना तो संभव नहीं है, लेकिन जो तालमेल बैठक हुई, वहां पर जहां गृह मंत्रालय को सुदृढ़ करना है, करेंगे लेकिन जहां वल्नरेबल प्वाइंट्स हैं, वहां और शक्ति देने की जरूरत है तथा बैंक अपने गार्ड भी लगाएंगे।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, मन्त्री जी ने लोक सभा में यह सूचना दी है कि राष्ट्रीयकृत बैंकों के चीफ सिक्युरिटी आफिसर्ज की कोई बैठक बुलाई गई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इसमें कोई विशेष निर्णय लिया गया बैंकों की सुरक्षा के लिए ?

SHRI JANARDHAN POOJARI: Sir. a£ per the Act, we have to tighten the security. Not only that, Sir, we have classified banks into four cate-es. I have earlier told in this Hcuse that wherever currency chests are concerned these banks have been ified a_s category one. Then the banks which are prone to high risks art classified as category two. The banks which are prone to normal risks are classified as category three. *AP:}* the banks with very low risk and cash handling 'they are classified as category four.

regards the currency chests branches, round the clock vigil is maintained. Individual banks are identified where these branches are prone to high $risk_s$ and their security guards are provided. For the information of the honourable Member I may say that here in Delhi in the Central Bank of India, 66 branches of the Bank are provided with security guards and 69 branches have been provided with collapsible gates.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

भारत के परम्परागत व्यापार में कमी

126. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों से भारत की परम्परागत वस्तुओं जैसे चाय, रेशम, लाख और अभ्रक का व्यापार रूस को छोड़कर गिरता जा रहा है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि वाणिज्यिक हितों की देखभाल करने के लिये विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में उपयुक्त व्यक्तियों की नियुक्ति नहीं की गई है और केन्द्रीय सरकार ने भी इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि भारतीय दूतावास वाणिज्यिक पत्रों पर, विशेष रूप से भारतीय मूल के व्यक्तियों के पत्रों पर ध्यान नहीं देते है और यदि हां, तो इस स्थिति में सुधार करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) यह सही नहीं है कि गत तीन वर्षों में सोवियत संघ के अतिरिक्त अन्य